अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2015

जैव विविधता के संरक्षण एवं सतत् उपयोग हेतु सयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा दिनांकः 22.05.1992 को जैव विविधता संधि को अंगीकार किया गया तथा भारत भी इसका एक पक्षकार है।

इस संधि की स्मृति को अक्षुण रखने के लिये विश्व के समस्त देशों में 22 मई को **''अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस''** मनाया जाता है। यह स्मरणोत्सव हमारी बहुमूल्य जैव विविधता विरासत को हमारी भावी पीढ़ियों के लिये सुरक्षित एवं संरक्षित रखने की वचनबद्धता की याद दिलाता है।

प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जाने वाले अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हेतु भिन्न–भिन्न विषय जो कि जैव विविधता के संरक्षण एवं संर्वधन से सम्बंधित होते है के आधार पर अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित किया जाता है। वर्ष 2015 का विषय **''सतत् विकास हेतु जैव विविधता'' (Biodiversity for Sustainable Development)** था। वर्ष 2015 के इस महत्वपूर्ण विषय का गहन सम्बंध हमारे राज्य व राष्ट्र से भी है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा ''**जल सहयोग के लिये अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष**'' भी घोषित किया था। यह विषय हमें स्मरण कराता है कि जल पृथ्वी पर समस्त जीवों को जीवन प्रदान करता है तथा हमारे पारिस्थितिकी तंत्र विशेषतः वन एवं नम भूमि हमें स्वच्छ जल प्रदान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

इस अवसर पर राजस्तरीय कार्यक्रम रतनगढ़ में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राजकुमार रिणवा थे। अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर बोर्ड के अध्यक्ष श्री पी.के. मेरकप द्वारा कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों को स्थानीय निकाय का जैव विविधता संरक्षण एवं संर्वधन में उनकी भूमिका एवं योगदान से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक पंच सरपंचों द्वारा भाग लिया गया इस अवसर पर माननीय राजकुमार रिणवा द्वारा जैव विविधता मार्ग दर्शिका पुस्तिका का विमोचन किया एवं इस वर्ष के विषय **''सतत् विकास हेतु जैव विविधता'' (Biodiversity for Sustainable Development)** पर प्रकाश ड़ाला गया।

अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राज्य के समस्त जिलों में स्कूल के विद्यार्थियों, स्काउट गाईडस, पर्यावरण प्रेमियों एवं जनसाधारण विशेषतः युवा व भावी पीढ़ी को जैव विविधता के महत्व एवं इसके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक करनें के उद्देश्य

की पूर्ति हेतु इस दिन प्रत्येक जिले में अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इसके तहत निम्न कार्यक्रम कराये गए।

- जन चेतना रैली
- जैव विविधता प्रर्दशनी
- गोष्ठी/सेमिनार
- क्विज प्रतियोगिता का आयोजन
- निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन
- चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के आयोजन हेतु समस्त संभागों के विभिन्न वन मंडलों के माध्यम से कार्यक्रम करवायें गये।